आइआइएम रांची. बिजनेस कॉन्क्लेव रैडिक्स-2018 शुरू

अपना उद्यम शुरू करने से पहले सामाजिक सरोकार को पहचानें

सीएमपीडीआइ में आयोजित रैडिक्स में विद्यार्थियों को मंत्र देते एम सत्याकुमार.

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) रांची का बिजनेस कॉन्क्लेव रैडिक्स-2018 शनिवार को सीएमपीडीआइ में शुरू हुआ. चार्टर्ड एकाउंटेंट और टाइकून प्लस एडवाइजर्स के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एम सत्याकुमार ने कहा कि अपना उद्यम शुरू करने से पहले भारत को पहचानने की जरूरत है. सामाजिक सरोकारों से रू-ब-रू होना जरूरी है. भूमंडलीकरण का दौर अब समाप्त हो गया है.

दुनिया बदल रही है. ऐसे में अपने लक्ष्य की प्राप्ति और प्रदर्शन में अप्रत्याशित सुधार लाने के लिए देश को पहचानने की आवश्यकता है. किसी भी नौकरी, अपना उद्यम और सफलता के लिए उत्तरदायी बनना जरूरी है. इसके लिए एक निश्चित लक्ष्य, उसे प्राप्त करने की चाहत और समाज की जरूरत जरूरी है. उन्होंने कहा कि देश के मोरबी, सूरत, राजकोट, तिरुपुर, कोयंबटूर, झारखंड में रह रहे लोग एक फैब्रिक की तरह हैं, जिन्हें एकता के सूत्र में पिरोने की आवश्यकता है.

तिरूपुर से होता है 40 हजार करोड़ का निर्यात

सत्या कुमार ने कहा कि तिरूपुर तमिलनाडु का ऐसा इलाका है, जहां विदेशों को 40 हजार करोड़ का निटिंग फैब्रिक निर्यात किया जाता है. वहां के उद्यमी आठवीं पास स्तर के हैं. इन लोगों ने अपना व्यवसाय 10 से 15 हजार रुपये में शुरू किया था. स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि युवा ही भारत के वास्तविक हीरो हैं. एक नेतृत्वकर्ता बनने के लिए उद्देश्य और नैतिकता का बोध जरूरी है. उन्होंने कहा कि फैब इंडिया इसलिए बड़ा है, क्योंकि वह सीधा ग्रामीण कारीगरों से अपने उत्पादों को लेता है और मुनाफे की राशि उन तक पहुंचाता है. टाटा संस इसलिए मायने रखते हैं, क्योंकि उनका कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और एक मूल्यबोध जीवित है.

अब विवाह भी इएमआइ पर होने लगा है

श्री कुमार ने कहा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने हमें इक्वेटेड मंथली इंटरेस्ट (इएमआइ) में बांध दिया है. हमारे घरों में 90 प्रतिशत ऐसी चीजें हैं, जिसका उपयोग नहीं होता और हम महीने का इएमआइ भरते रहते हैं. चाहे वह आइफोन हो, कार हो, दोपहिया वाहन हो, बड़ी स्क्रीन वाला टीवी हो, एसी हो अथवा माइक्रो वोवन. सभी किश्तों में उपलब्ध हैं.

अब तो विवाह भी इएमआइ पर होने लगा है. भारत में 15 ऐसी जगहें हैं, जो सिलिकॉन वैली को टक्कर दे सकती हैं. उसमें झारखंड भी है. चेन्नई की एक कंपनी नैचुरल्स ने ग्रुमिंग का व्यवसाय शुरू कर महिलाओं को जोड़ने का काम किया है. देश के 600 केंद्रों में कंपनी के आउटलेट हैं. इसकी ब्रांड एंबेसडर करीना कपूर और मिल वर्ल्ड हैं. बुक माई एडमिशन.कॉम के अश्विनी तांबी ने आइटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में हो रहे बदलाव पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि डाटाबेस प्रबंधन और सर्वर की गतिशिलता बरकरार रखना बड़ी चुनौती है. पहले दिन करियर लांचर के सीइओ एआरकेएस श्रीनिवास ने भी अपने विचार रखे.

निदेशक ने कहा

कॉन्क्लेव का उदघाटन संस्थान के निदेशक प्रो शैलेंद्र कुमार ने किया. उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से संस्थान के छात्रों को बदलते माहौल और कॉरपोरेट, सरकारी घरानों और बाजार की आवश्यकताओं को जानने का मौका मिलता है. दो दिनों में नौ प्रतिष्ठित कॉरपोरेट्स बाजार, परिवेश, अर्थव्यवस्था और मूलभूत आवश्यकताओं पर व्याख्यान देंगे.

Prabhat Khabar, 11.02.2018, Pg. 25